



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

26 माघ 1938 (श0)

(सं0 पटना 114) पटना, बुधवार, 15 फरवरी 2017

खान एवं भूतत्व विभाग

अधिसूचना

14 नवम्बर 2016

सं0 02/आ0-52/09-2870/एम0—श्री नित्यानंद चौधरी, तत्कालीन खान निरीक्षक, नवादा (सम्प्रति सेवानिवृत्त खनिज विकास पदाधिकारी) के विरुद्ध नवादा जिलान्तर्गत पदस्थापन-अवधि के प्रतिवेदित गंभीर कदाचार के निम्न आरोप के बावत विभागीय पत्रांक 345/एम0 दिनांक 10.02.12 से आरोप-पत्र प्रपत्र गठित करते हुए श्री चौधरी से स्पष्टीकरण पूछा गया—

आरोप संख्या:-

- i. नवादा जिलान्तर्गत गोविन्दपुर अंचल क्षेत्र के खखन्दुआ पहाड़ी क्षेत्र में पट्टाधारियों से मिलकर अवैध उत्खनन कार्य करवाने एवं सरकार को भारी राजस्व की क्षति पहुँचाने के संबंध में,
 - ii. नवादा जिलान्तर्गत तुंगी पहाड़ी क्षेत्र में अवैध खनन कार्य करवाने में संलिप्तता एवं कर्तव्यहीनता के संबंध में,
 - iii. खखन्दुआ पहाड़ क्षेत्र में अवैध उत्खनन संबंधी जाँच प्रतिवेदन पर कार्रवाई नहीं करने एवं अपने कार्यों में स्वेच्छाचारिता के संबंध में,
 - iv. नवादा जिला में अवैध रूप से क्रशर एवं ईट भट्टों की संचालन में संलिप्तता एवं कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने के संबंध में,
 - v. नवादा जिलान्तर्गत मौजा-भदोखर स्थित गोदी पहाड़ी से मोरम उत्खनन एवं प्रेषण में नियमित जाँच नहीं करने एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में केवल मोरम उत्खनन सुनिश्चित करने की जवाबदेही का निर्वाह नहीं करने एवं अवैध पत्थर उत्खनन में संलिप्तता एवं सरकार को राजस्व की क्षति के संबंध में।
2. आरोपित तत्कालीन खान निरीक्षक, नवादा ने अपने पत्रांक कैप-01/नवादा दिनांक 26.02.12 द्वारा स्पष्टीकरण प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया। समीक्षोपरांत स्पष्टीकरण को असंतोषप्रद पाते हुए श्री नित्यानंद चौधरी, तत्कालीन खान निरीक्षक, नवादा (सम्प्रति सेवानिवृत्त खनिज विकास पदाधिकारी) के विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43बी0 के अन्तर्गत विभागीय अधिसूचना संख्या-3192/एम0 दिनांक 18.12.13 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया।

3. विभागीय कार्यवाही संचालन के उपरांत संचालन पदाधिकारी ने पत्रांक 4124/एम0 दिनांक 18.11.14 द्वारा जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया। जाँच प्रतिवेदन में संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोपित कर्मियों के विरुद्ध गठित सभी आरोप प्रमाणित पाये जाने का अभिमत दिया गया। आरोपित कर्मियों से विभागीय पत्रांक 4375/एम0 दिनांक 08.12.14 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा पर 15 (पन्द्रह) दिनों के अन्दर जवाब मांगा गया। आरोपित सेवानिवृत्त कर्मियों के अनुरोध पर पुनः विभागीय पत्रांक 701/एम0 दिनांक 27.02.15 द्वारा 15 (पन्द्रह) दिनों का अतिरिक्त समय देते हुए उक्त निर्धारित अवधि के अन्दर अभिवेदन/निवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। आरोपित कर्मियों द्वारा दिनांक 09.03.15 को जवाब प्रस्तुत किया गया।

4. जाँच प्रतिवेदन में जाँच प्राधिकार के अंकित अभिमत एवं आरोपित सेवानिवृत्त कर्मियों के द्वारा प्रस्तुत द्वितीय कारण-पृच्छा के क्रम में जवाब की समीक्षा की गयी, तथा समीक्षोपरांत तत्कालीन खान निरीक्षक, नवादा के विरुद्ध गंभीर कदाचार के आरोपों में दोषी पाते हुए बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43(ए)-सह-पठित 43(बी) के तहत शत-प्रतिशत पेंशन स्थायी रूप से जब्त करने का दंड प्रस्ताव को सक्षम अनुशासनिक प्राधिकार (माननीय मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग) द्वारा अनुमोदित किया गया।

5. उक्त प्रस्तावित दंड प्रस्ताव पर विभागीय पत्रांक 1624/एम0 दिनांक 19.05.15 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से परामर्श मांगा गया।

6. आयोग ने अपने पत्रांक सं0-6/प्र0-16-02/2015-3009-लो0से0आ0 दिनांक 02.03.16 द्वारा विभागीय दंड प्रस्तावसे सहमति व्यक्त की है।

7. अतः श्री नित्यानंद चौधरी, तत्कालीन खान निरीक्षक, नवादा (सम्प्रति सेवानिवृत्त खनिज विकास पदाधिकारी) के उक्त प्रमाणित गंभीर आरोपों के दृष्टिगत में सम्यक समीक्षोपरांत बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43(ए)-सह-पठित-43(बी) के तहत शत-प्रतिशत पेंशन की राशि स्थायी रूप से जब्त करने की शास्ति अधिरोपित की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सुशील कुमार,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 114-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>